RJ-05

December - Examination 2025
B.A. (Part-III) Examination
RAJASTHANI
प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य (काव्य एवं गद्य)
Paper : RJ-05

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– औ पेपर तीन खण्डां 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबन्धात्मक सवालां रा पड़ूत्तर देवणा है। हरेक खण्ड रै आगै दियोडा निर्देशां मुजब आपरा जवाब लिखौ।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड रा **सगळां सवालां** रौ पड़ूत्तर देवणों जरूरी है। (सबद सीमा **30**)

1. (i) 'वीरमायण' रचना रै रचनाकार रौ नांव बतावो।
   (ii) 'वैण सगाई' अलंकार रौ प्रयोग घणखरौ किण सैली में मिळै है?
   (iii) 'वेल' काव्य संज्ञक कोई दोय रचनावां रौ नांव दरसावो।
   (iv) मीरांबाई रै पिताजी रौ नांव कांई हो?
   (v) राम भगती री कोई दोय काव्य रचनावां रा नांव लिखो।
   (vi) भक्त कवयित्री रूपांदे रै गुरु रौ नांव बतावो।
   (vii) 'देवनारायण बगड़ावत गाथा' रौ सम्बन्ध किण जाति सूं है?

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड मांय सूं कोई चार सवालां रौ पड़ूत्तर देवणौ है। (सबद सीमा **200**)

2. 'बीसलदेव रासो' साहित्य पर टिप्पणी लिखो।
3. डिंगल री उत्पत्ति–विकास नै समझावौ।
4. राजस्थानी संत–सैली री प्रमुख विसेसतावां नै उजागर करो।
5. भक्त कवि ईसरदास बारहठ रौ जीवण–परिचै उजागर करो।
6. मीरां री भगती भावना नै उजागर करावो।
7. 'मेहा–रामायण' में वार्णीत सामाजिक अर सांस्कृतिक पखां नै उजागर करो।

8. 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' काव्य रचना में वार्णीत सिणगार रस री झळक नै उदाहरण समेत प्रस्तुत करो।

9. राजस्थानी उपन्यास साहित्य री विकास–जातरा पर टीप लिखो।

खण्ड–'स' **2×14=28**

(निबन्धात्मक सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड मांय सूं कोई दोय सवालां रौ पड़ूत्तर देवणौ है। (सबद सीमा **500**)

10. प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य री प्रमुख विसेसतावां नै सोदहरण स्पष्ट करो।

11. 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' काव्य रौ भाव–पख नै उदाहरण समेत स्पष्ट करो।

12. प्राचीन अर मध्यकालीन गद्य साहित्य पर टिप्पणी लिखो।

13. रेखाचित्र अर संस्मरण साहित्य में अंतर नै स्पष्ट करो।